दिनांक 13 अक्तूबर, 1980

क्रमांक 1702-ज-(I)-80/36365 — पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार मिधिन्यम, 1948 (जैसा कि उसे हिरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करने उसे इरियाणा के राज्यवाल श्रीमती जड़ावली, विववा श्री धन्ता राम, गांव नावां की ढामी, तहसील महिन्द्रगढ़, खिला नारनील, को खबीक, 1976 से खरीक, 1979 तक 150 रु० वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रु० वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहुष प्रदान करते हैं।

कर्मांक 1668-ज(I)-80/36372.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उममें आज तक संजोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री नत्यू राम वर्मा, पुत्र श्री झावर मल वर्मा, गांव हालू बजार भिवानी, तहसील व जिला भिवानी, को खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक तथा खरीफ, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहबं प्रदान करते हैं।

दिनांक 15 ग्रक्तूबर, 1980

क्रमांक 1701-ज(I)-80/36587.—श्री लछमन सिंह, पुत्र श्री सुन्दर सिंह, गांव रसूलपुर, तहसील मारायणगढ़, जिला ग्रम्बाला, की दिनांक 17 जनवरी, 1974, को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है और ग्राज तक संग्रोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री लछमन सिंह की मुख्तिक 200 स्पये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की ग्रधिसूचना क्रमांक 342-र-(4)-66/1005, दिनांक 10 ग्रप्रैल, 1967 तथा 5041-र-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मंजूर की गई थी, श्रब उसकी विधवा श्रीमती पुन्ता देशी के नाम खरीफ, 1974 से खरीफ, 1979 तक 200 हपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 हपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के ग्रन्तर्गत प्रदान करते हैं।

कमांक 1667-ज-I-80/36591 — श्री माम राज, पुत्र श्री नौरंग लाल, गांव खटोटी खुर्द, तहसील नारनौल जिला नारनौल, की दिनांक 20 मई, 1980, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्य पाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनयम 1948, (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रौर श्राज तक संशोधन किया गया है) की श्रारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के ग्रिधीन प्रदान की गई शवितयों का प्रयोग करते हुए श्री माम राज की मुक्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रिधसूचना कमांक 435-ज(I)-78/11024, दिनांक 17 अप्रैंस, 1978, द्वारा मंजूर की गई थी श्रव उसकी विधवा श्रीमती गुलाब देवी के नाम खरीफ, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगंत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1651-ज-(II)-80/36596.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्राधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपांल श्री जगमाल सिंह, पुन्न श्री हुआरी लाल, गांव चांद्रवास, कहसील वावल, जिला नारनील, को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत बाली युद्ध नागीर सनद में क्षी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1650-ज-І-80/36602 — श्री बाबू राम, पुत्र श्री तिलक राम, गांव लंडा, तहसीच क जिला अम्बासा, की दिनांक 25 जनवरी, 1979, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और आज तक संशोधन किया गया है) की घारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तका 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री बाबू राम की मुख्लिग 150 रुपए वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2451-ज-III-71/17643, दिनांक 18 जून, 1971, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती शान्ती देवी के नाम खरीफ, 1979 से 150 रुपए वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतौं के अन्तर्गंत प्रदान करते हैं।

रघुनाथ जोशी, विशेष कार्य प्रधिकारी, हरियाणा तरकार, राजस्य विकास ।